दिनांक 09 सितम्बर, 2016 को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में पूर्वान्ह 11.30 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न कार्य परिषद की 14वीं बैठक का कार्यवृत्त।

बैठक में निम्न ने प्रतिभाग किया:-

1.	प्रोफेसर नागेश्वर राव, कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैंग्वेजज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, समर हिल शिमला	सदस्य
3.	डॉ0 एल0बी0 अग्निहोत्री उप-निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी, (प्रमुख सचिव/सचिव द्वारा नामित)	सदस्य
4.	श्री राकेश भारती मित्तल, उपाध्यक्ष, भारती एंटरप्राइजेज, भारती क्रीसेंट, 1 नेल्सन मंडेला रोड, वंसत कुंज, फेस-2, नई दिल्ली	सदस्य
5.	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
6.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
7.	डॉ0 देवेश कुमार मिश्र, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
8.	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, निदेशक, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा/कुलसचिव उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य सचिव
9.	श्रीमती आभा गर्खाल, वित्त अधिकारी, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	आमंत्रित सदस्य
10.	प्रोफेसर गोविन्द सिंह, निदेशक, पत्रकारिता एवं जनसंचार विद्याशाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	आमंत्रित सदस्य

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी

सर्वप्रथम कुलसचिव (सदस्य सचिव, कार्यपरिषद) द्वारा कुलपति (अध्यक्ष, कार्यपरिषद) तथा सभी उपस्थित सदस्यों का कार्यपरिषद की 14वीं बैठक में स्वागत किया गया। कुलसचिव ने विशेषरूप से परिषद की बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्य सेवानिवृत्त प्रोफेसर बी०एस०पठानिया, डॉ0 एल0बी0 अग्निहोत्री तथा वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से बैठक में सम्मिलित श्री राकेश भारती मित्तल व अपरिहार्य कारण से बैठक में सम्मिलित न होने वाले सदस्य प्रोफेसर के0एन0 पाठक व श्री मनोज सिंघल का स्वागत किया।

तदुपरान्त कुलपति प्रो० नागेश्वर राव द्वारा पूर्व कुलपति प्रोफेसर सुभाष धूलिया के द्वारा इस विश्वविद्यालय में कुलपति के रूप में उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने बताया कि प्रोफेसर धूलिया के प्रयासों से विश्वविद्यालय में सह-प्राध्यापक के 10, सहायक प्राध्यापक के 07 एवं सहायक क्षेत्रीय निदेशक के 08 पदों का सृजन एवं तकनीकी क्षेत्र में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग, स्मार्ट क्लास तथा कम्यूनिटी रेडियो केन्द्र की स्थापना हुई। इसके अतिरिक्त व्यक्तिगत परीक्षार्थियों को दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराये जाने संबंधी उनके प्रयासों एवं उनके निर्देशन में कराये गये विभिन्न निर्माण कार्य यथा- वाहन पार्किंग, सर्वर पॉवर रूम, आन्तरिक मार्ग तथा प्रशासनिक एवं एकेडमिक भवन के द्वितीय चरण का निर्माण कराकर विश्वविद्यालय की प्रगति के बारे में बताया गया। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही शिक्षा गुणवत्तापरक होने के साथ रोजगारपरक हो, इस क्षेत्र में भी प्रोफेसर सुभाष धूलिया द्वारा किये गये अथक प्रयासों के साथ हल्द्वानी, रामनगर तथा रूडकी में स्थित अध्ययन केन्द्रों को **Vertual Learning Centers** के रूप में स्थापित किये जाने पर उनकी प्रशंसा की गयी। कुलपति जी के द्वारा प्रोफेसर धूलिया के संबंध में दिये गये वकतव्य का परिषद के सभी सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया।

तदुपरान्त कुलपति प्रो० नागेश्वर राव ने समिति में उपस्थित बाह्य सदस्यों का विस्तृत परिचय देते हुए उनका स्वागत किया। कुलपति जी ने बताया कि कार्यपरिषद के सदस्य सेवानिवृत्त प्रोफेसर बी०एस०पठानिया उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियां प्राप्त कर विश्वविद्यालय स्तर पर लैक्चरर, रीडर एवं प्रोफेसर के पद पर 31 साल तथा कॉलेज स्तर पर 05 साल अध्यापन का कार्य किया गया है। प्रोफेसर पठानिया द्वारा अपने सेवाकाल में 08 वर्ष अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष तथा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में ढाई वर्ष भाषा संकाय के डीन के दायित्वों का भी निर्वहन किया गया है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से सेवानिवृत्त होने के उपरान्त प्रोफेसर पठानिया द्वारा गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, जामिया मिलिया इस्लामिया , नई दिल्ली तथा राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में अंग्रेजी विषय के यू0जी0सी0 अतिथि प्रोफेसर के रूप में कार्य किया गया है। प्रोफेसर पठानिया के निर्देशन में कई शोधार्थी शोध उपाधियां प्राप्त कर चुके हैं स्वयं इनके10 शोध पत्र विभिन्न जर्नलों में प्रकाशित हुए हैं तथा इनके द्वारा ओलिवर गोल्डस्मिथ पर एक पुस्तक भी लिखी गयी है। प्रोफेसर पठानिया द्वारा 15 राष्ट्रीय तथा 03 अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये गये हैं। प्रोफेसर पठानिया को ' राष्ट्रीय गौरव अवार्ड' से पुरस्कृत तथा ' विजयश्री अवार्ड' एवं ' बैस्ट सिटीजन्स ऑफ इण्डिया अवार्ड' के लिए चयनित किया गया है।

कुलपति जी के द्वारा कार्यपरिषद के अन्य बाह्य सदस्य प्रोफेसर के0एन0 पाठक, पूर्व कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ जो अपरिहार्य कारण से बैठक में सम्मिलित नहीं हो सके, का परिचय दिया गया। प्रो0 पाठक द्वारा आगरा विश्वविद्यालय तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक तथा परास्नातक उपाधियां प्राप्त की गयी है। प्रो० पाठक द्वारा आई0आई0टी0 कानपुर से शोध उपाधि प्राप्त की गयी तथा आई0आई0टी0 मुम्बई में भौतिकी विषय के लैक्चरर के पद पर भी कार्य किया गया। राष्ट्रीय अनुसंधान परिषद, ओटावा, कनाडा तथा नार्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, इवेन्सटन (यू0एस0ए0) में पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च फेलो के रूप में भी इनके द्वारा कार्य किया गया। प्रोफेसर पाठक द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय,चण्डीगढ में भौतिकी विभाग के रीडर, प्रोफेसर के रूप में भी अध्यापन का कार्य किया गया है। इनके द्वारा

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

नार्थ अमेरिका तथा यूरोप की विभिन्न अनुसंधान संस्थाओं में भी अपना मार्गदर्शन प्रदान किया गया है। प्रोफेसर पाठक के 130 शोध पत्र अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं। प्रोफेसर पाठक के निर्देशन में 12 शोधार्थी शोध उपाधि तथा 05 एम0फिल0 उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। प्रोफेसर पाठक द्वारा कई राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान परिषदों के सदस्य के रूप में भी अपना योगदान प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रोफेसर पाठक को अनुसंधान के क्षेत्र में अनेक उपलब्धियां तथा अवार्ड प्राप्त हुए हैं। प्रमुख निम्नानुसार हैं : 1- Fellow, Indian National Science Academy (INSA) 2- Meghnad Saha Award 3- Senior Associate Member, The Abdus Salam International Centre for Theoretical Physics, Trieste, Italy 4- UGC National Fellowship Award 5- National Research Council of Canada Post Doctoral Research Fellowship Award आदि।

कुलपति जी के द्वारा कार्यपरिषद में उद्योग जगत से नामित बाह्य सदस्य का परिचय देते हुए बताया कि श्री राकेश भारती मित्तल, भारती इण्टरप्राइजेज के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हैं। भारती इण्टरप्राइजेज भारत का एक अग्रणी व्यापार समूह है जो टेलीकॉम, एग्री-बिजनेस, फाइनेंन्शियल सर्विसेज तथा खुदरा क्षेत्र में काम करने के साथ ही कम्यूनिकेशन तथा मीडिया क्षेत्र में भी एशिया और अफ्रीका के 20 देशों में अपनी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। श्री भारती मित्तल द्वारा इन्फ्राटेल, भारती एक्सा जीवन बीमा, भारती एक्सा जनरल बीमा, खाद्य पदार्थ तथा बीटेल टेलटैक के अध्यक्ष पद के दायित्वों का भी निर्वहन किया जा रहा है। श्री मित्तल भारतीय उद्योग परिसंघ की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य रह चुके हैं। साथ ही वर्ष 2009 से कृषि क्षेत्र में राष्ट्रीय परिषद के अध्यक्ष हैं। श्री मित्तल वर्तमान में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, इन्ड्रस्टीयल फाइनेंस कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया, राष्ट्रीय खाद्य प्रसंस्करण विकास परिषद, भारत सरकार के सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से जुडे हैं साथ ही भारती फाउण्डेशन जो देश के विभिन्न स्थानों में सत्य भारती स्कूल प्रोग्राम के अन्तर्गत गरीबी रेखा के नीचे के बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराती है, के आजीवन ट्रस्टी तथा सह अध्यक्ष है। इस संस्था के अधीन संचालित विद्यालयों में 43000 बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। श्री मित्तल स्वयं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक में उपस्थित नहीं हो पाएं, किन्तु उनके द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के माध्यम से अपने व्यस्ततम समय में से विश्वविद्यालय को मार्गदर्शन हेतु समय प्रदान किया गया।

कुलपति जी के द्वारा कार्य परिषद में उद्योग जगत से नामित बाह्य सदस्य श्री मनोज सिंघल जो अपरिहार्य कारणों से बैठक में प्रतिभाग नहीं कर सके का परिचय देते हुए बताया कि वे एम0एम0 ऑटो मोबाइल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हैं। इसके साथ श्री सिंघल शिक्षा के क्षेत्र से भी जुडे हुए हैं। इनकी अध्यक्षता में एम0एण्ड एम0 कॉलेज आफ एजुकेशन तथा एम0एण्ड एम0 पब्लिक स्कूल संचालित हैं। इस प्रकार श्री सिंघल का उद्योग जगत के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र भी योगदान है।

सचिव, उच्च शिक्षा के प्रतिनिधि के रूप में नामित डा0 एल0 बी0 अग्निहोत्री,उप-निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड,हल्द्वानी कार्यपरिषद की बैठक में प्रतिभाग करने हेतु उपस्थित हुए। कुलपति जी द्वारा उनका स्वागत करते हुए बताया गया कि डा0 अग्निहोत्री ने प्रदेश के विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों में अंग्रेजी विषय के शिक्षण के साथ ही प्राचार्य के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं तथा वर्तमान में उप-निदेशक, उच्च शिक्षा के पद पर कार्यरत हैं।

श्री राज्यपाल/कुलाधिपति द्वारा विश्वविद्यालय की कार्य परिषद में उक्त नामांकित बाह्य सदस्य जो अपने क्षेत्र के ख्याति प्राप्त व्यक्ति हैं का निर्देशन प्राप्त होना इस विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय बताते हुए कुलपति जी द्वारा स्वागत किया गया।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

तदपश्चात् कुलसचिव (सदस्य सचिव, कार्य परिषद) द्वारा विश्वविद्यालय का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण किया गया। विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट सेल के संबंध में श्री मित्तल द्वारा जानकारी चाही गयी। प्लेसमेंट के संबंध में कुलपति जी द्वारा श्री मित्तल से सहयोग की अपेक्षा की गयी। श्री मित्तल द्वारा कुलसचिव के प्रस्तुतीकरण से संबंधित बिन्दुओं के साथ ही विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों के शोध पत्रों की प्रतियां तथा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों से संबंधित विवरणिका भी उपलब्ध कराये जाने से सूचित किया गया। कुलसचिव द्वारा प्रस्तुतीकरण के पश्चात परिषद को कार्यसूची के बिन्दुओं से अवगत कराया गया। बैठक का कार्यवृत बिन्दुवार निम्नवत है-

प्रस्ताव संख्या 14.01- कार्य परिषद की 12वीं बैठक दिनांक 12.08.2015 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

कार्य परिषद की 12वीं बैठक दिनांक 12 अगस्त, 2015 के कार्यवृत्त को सभी सदस्यगणों को इस अनुरोध के साथ प्रेषित किया गया था कि यदि कोई संशोधन हो तो कृपया अवगत कराने का कष्ट करें। इस सम्बन्ध में प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक समाज विज्ञान विद्याशाखा एवं डॉ० एच०सी० जोशी, सहायक प्राध्यापक, वानिकी, उ०मु०वि०वि०, हल्द्वानी द्वारा प्रस्तुत संशोधन कार्यवृत में सम्मिलित करते हुए सर्वसम्मति से पुष्टि की गयी।

प्रस्ताव संख्या 14.02- कार्य परिषद की 13वीं बैठक दिनांक 10.09.2015 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

कार्य परिषद की **13वीं (Urgent)** बैठक **(by Circulation) दिनांक 10.09.2015 का** कार्यवृत्त परिषद के समक्ष अवलोकनार्थ प्रस्तुत किया गया जिसकी सर्वसम्मति से पुष्टि की गयी।

प्रस्ताव संख्या 14.03- कार्य परिषद की 12वीं बैठक दिनांक 12.08.2015 एवं 13वीं बैठक दिनांक 10.09.2015 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही।

कार्यपरिषद की 12वीं बैठक की अनुपूरक सूची के प्रस्ताव संख्या 12.18.04 तथा प्रस्ताव संख्या 12.18.05 पर कार्यवाही लम्बित होने के संबंध में श्री राकेश भारती मित्तल, उपाध्यक्ष, भारती एंटरप्राइजेज द्वारा पृच्छा की गयी।

वर्णित बिन्दु 12.18.04 के संबंध में कुलसचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय में प्रशासनिक पदों कुलसचिव, उप कुलसचिव तथा सहायक कुलसचिव पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर व्यवस्था की जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा इन पदों पर सीधी नियुक्ति का प्रस्ताव श्री राज्यपाल/ कुलाधिपति को प्रेषित किये जाने के कारण प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति अवधि विस्तारित किये जाने संबंधी प्रस्ताव शासन को प्रेषित नहीं किया गया है। इस कारण संबंधित बिन्दु पर कार्यवाही लम्बित होने का उल्लेख किया गया है।

प्रस्ताव संख्या 14.04- विश्वविद्यालय में नियमित पद पर नियोजित तीन प्राध्यापकों द्वारा अपने पैतृक विभाग से त्याग पत्र दिये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय में नियमित रूप से नियोजित प्रो० आर०सी० मिश्र, प्रो० एच०पी० शुक्ल तथा प्रो० दुर्गेश पंत द्वारा उनके पैतृक विभाग में त्याग पत्र दिये जाने के फलस्वरूप इस विश्वविद्यालय में नियमित रूप से चयनोपरान्त कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से इनकी सेवाएं मान्य किये जाने पर स्वीकृति प्रदान की गयी। इस निर्णय के समय प्रोफेसर आर०सी० मिश्र तथा प्रोफेसर एच०पी० शुक्ल अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक से बाहर रहे।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रस्ताव संख्या 14.05- वित्त समिति की 9वीं बैठक दिनांक 22.06.2016 की संस्तुतियों पर विचार।

वित्त समिति की 9वीं बैठक दिनांक 22-06-2016 के अवलोकनोपरान्त परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 14.06- भवन निर्माण समिति की 10वीं बैठक दिनांक 18.05.2016 की संस्तुतियों पर विचार।

भवन निर्माण समिति की 10वीं बैठक दिनांक 18-05-2016 के अवलोकनोपरान्त परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 14.07- परीक्षा समिति की 8वीं बैठक दिनांक 10.03.2016 की संस्तुतियों पर विचार।

परीक्षा समिति की 8वीं बैठक दिनांक 10-03-2016 के अवलोकनोपरान्त परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 14.08- परीक्षा नियंत्रक के पद पर प्रोफेसर पी0डी0 पंत के प्रतिनियुक्ति अवधि के विस्तारीकरण के सम्बन्ध में कुलपति द्वारा कृत कार्यवाही का अनुमोदन।

प्रोफेसर पी०डी० पंत की इस विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक के रूप में प्रतिनियुक्ति अवधि दिनांक 01 मई,2016 से दिनांक 30 अप्रैल, 2018 तक कुलपति महोदय द्वारा विस्तारित किये जाने पर परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 14.09- विश्वविद्यालय योजना बोर्ड, मान्यता बोर्ड एवं वित्त समिति के गठन हेतु कार्य परिषद द्वारा नाम निर्दिष्ट किये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय योजना बोर्ड, मान्यता बोर्ड एवं वित्त समिति के गठन हेतु नाम निर्दिष्ट किये जाने संबंधी प्रस्ताव पर परिषद द्वारा कुलपति को अधिकृत किया गया।

प्रस्ताव संख्या 14.10- विश्वविद्यालय में बाह्य सेवा प्रदाता के माध्यम से दैनिक वेतन भोगी कार्मिकों को उपलब्ध कराये जाने हेतु किये गये अनुबन्ध से परिषद को अवगत कराये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय द्वारा दैनिक वेतन भोगी कार्मिकों के लिए अनुबंधित बाह्य सेवा प्रदाता संस्थाओं से किये गये अनुबंध-पत्रों का परिषद द्वारा अवलोकन करते हुए अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 14.11- डॉ0 कमल देवलाल, सहायक प्राध्यापक, भौतिकी के शोध उपाधि के सम्बन्ध में।

डॉ0 कमल देवलाल, सहायक प्राध्यापक, भौतिकी के शोध उपाधि के संबंध में कार्यपरिषद द्वारा निर्णय लिया गया कि पंतनगर विश्वविद्यालय से पुन: स्थिति स्पष्ट करने हेतु पत्र लिखा जाय।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

प्रस्ताव संख्या 14.12- विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक एसोसिएट्स, प्रशासनिक परामर्शदाता एवं तकनीकी परामर्शदाता (आई0सी0टी0/डाटा प्रौसेसिंग/रेडियो) आदि के नियोजन/कार्यकाल विस्तारण की सूचना के संबंध में।

विश्वविद्यालय में नियोजित अकादमिक/ प्रशासनिक तथा तकनीकी परामर्शदाताओं के नियोजन को अनुमोदित किया गया । नियोजन अवधि के संबंध में विश्वविद्यालय परिनियमावली/अध्यादेश में वर्णित व्यवस्था के अनुसार परामर्शदाताओं का नियोजन छः माह की अनधिक अवधि के लिए किये जाने के उपरान्त अधिकतम 02 वर्ष के लिए विस्तारित किये जाने, प्रशासनिक परामर्शदाताओं के नियोजन में सेवानिवृत्त कार्मिकों को वरीयता दिये जाने तथा तकनीकी परामर्शदाताओं का नियोजन तकनीकी आवश्यकताओं के दृष्टिगत किये जाने के परिषद द्वारा निर्देश दिये गये।

प्रस्ताव संख्या 14.13- परिवीक्षाधीन सहायक प्राध्यापकों के परिवीक्षावधि पूर्ण होने के पश्चात स्थायीकरण के संबंध में विचार।

श्री भूपेन सिंह, सहायक प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा डॉ० अखिलेश सिंह, सहायक प्राध्यापक, पर्यटन की 01 वर्ष की परिवीक्षावधि पूर्ण होने के फलस्वरूप संबंधित निदेशकों द्वारा प्रस्तुत कार्यमूल्यांकन आख्या के आलोक में परिषद द्वारा उल्लिखित कार्मिकों के स्थायीकरण संबंधी प्रस्ताव पर शासन द्वारा पदों के स्थायीकरण की प्रत्याशा में प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त कुलपति महोदय द्वारा ऐसे पद जिनकी नवीन वर्ष में निरन्तरता प्राप्त हो तथा कम से कम 03 वर्षों से पूरित हों, के स्थायीकरण का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किये जाने का निर्देश प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 14.14- परिवीक्षाधीन आशुलिपिक ग्रेड-1 के परिवीक्षावधि पूर्ण होने के पश्चात स्थायीकरण के संबंध में विचार।

श्री विमल कुमार, आशुलिपिक ग्रेड-। की 01 वर्ष की परिवीक्षावधि पूर्ण होने के फलस्वरूप संबंधित विभागाध्यक्ष की संस्तुति के आलोक में परिषद द्वारा उल्लिखित कार्मिक के स्थायीकरण संबंधी प्रस्ताव पर शासन द्वारा पद के स्थायीकरण की प्रत्याशा में प्रस्ताव पर अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 14.15- विश्वविद्यालय स्थापना के समय नियुक्त कार्मिकों के विनियमितीकरण के संबंध में कार्मिक विभाग की अधिसूचना दिनांक 30 दिसंबर, 2013 को अंगीकृत किये जाने के संबंध में।

शासनादेश संख्या 155/XXIV(6)/2016-टी०सी०-133/2012, दिनांक 11 अगस्त, 2016 के आलोक में विश्वविद्यालय में स्थापना के समय से कार्यरत अस्थाई कार्मिकों के विनियमितीकरण किये जाने के संबंध में कार्मिक विभाग, उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या 1298/XXX(2)/2013-3(1)/2006, दिनांक 30 दिसंबर, 2013 को अंगीकृत किये जाने संबंधी अनुमति पर परिषद द्वारा सहमति प्रदान करते हुए नियमावली के अनुरूप विनियमितीकरण किये जाने के निर्देश प्रदान किये।

कुल सचिव

प्रस्ताव संख्या 14.16- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या-285 दिनांक 11 जुलाई, 2016 को अंगीकृत किये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों को कैरियर अभिवर्धन योजना का लाभ अनुमन्य किये जाने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या-285 दिनांक 11 जुलाई, 2016 पर अग्रेत्तर कार्यवाही हेतु अंगीकृत किये जाने पर परिषद द्वारा सहमति प्रदान की गयी।

प्रस्ताव संख्या 14.17- शोध-उपाधि प्रदान करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित शोध अध्यादेश में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम0फिल0/ पीएच0डी0 उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 को अंगीकृत किये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (एम०फिल०/पीएच०डी० उपाधि प्रदान करने हेतु न्यूनतम मानदंड और प्रक्रिया) विनियम, 2016 एवं यू0जी0सी0 से प्राप्त पत्र दिनांक 06 सितम्बर, 2016 पर अग्रेत्तर कार्यवाही के लिए इस विनियम पर आधारित विद्यापरिषद द्वारा संस्तुत अध्यादेश को अंगीकृत किये जाने पर परिषद ने सहमति प्रदान की।

प्रस्ताव संख्या 14.18- विश्वविद्यालय में प्रथम दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने के संबंध में।

विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह के आयोजन के संबंध में प्रस्तुत सूचना तथा कुलाधिपति जी द्वारा दिनांक 07 नवम्बर, 2016 को दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने की अनुमति से परिषद अवगत हुई। परिषद ने प्रस्ताव के साथ सत्र 2014-15 में विभिन्न स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण 5,278 तथा डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियां एवं मेडल प्रदान किये जाने हेतु संस्तुति प्रदान की।

प्रस्ताव संख्या 14.19- मान्यता बोर्ड की पॉचवीं बैठक दिनांक 01.09.2016 की संस्तुतियों पर विचार।

मान्यता बोर्ड की 5वीं बैठक दिनांक 01-09-2016 के अवलोकनोपरान्त परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 14.20- सहायक क्षेत्रीय निदेशक पद की शैक्षिक अर्हता निर्धारण के संबंध में।

सहायक क्षेत्रीय निदेशक पद की शैक्षिक अर्हता का परिषद ने अवलोकन किया तथा इस हेतु निम्नवत् अनुमोदन प्रदान किया गया;

अनिवार्य अर्हता-

स्नातकोत्तर उपाधि न्यूनतम 55% अंकों के साथ।

अधिमानी अर्हता-

1- दूरस्थ शिक्षा/उच्च शिक्षा के क्षेत्र में न्यूनतम तीन वर्ष का कार्य अनुभव।

2- इनफोरमेशन टैक्नोलॉजी का उपयुक्त ज्ञान।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

प्रस्ताव संख्या 14.21- अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्ताव।

14.21.01- विद्या परिषद की 8वीं बैठक दिनांक 06.09.2016 के कार्यवृत्त का अनुमोदन के संबंध में।

विद्यापरिषद की 8वीं बैठक दिनांक 06-09-2016 के अवलोकनोपरान्त परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

14.21.02- प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, प्राध्यापक, इतिहास के कुमॉऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल से त्याग-पत्र प्रस्तुत किये जाने के संबंध में।

इस विश्वविद्यालय में प्राध्यापक इतिहास के पद पर चयनोपरान्त प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे ने दिनांक 25 अगस्त, 2011 को कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व प्रोफेसर पाण्डे कुमायूं विश्वविद्यालय में नियुक्त थे। इस विश्वविद्यालय में नियुक्ति के फलस्वरूप इन्हें कुमायूं विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 25 अगस्त, 2011 से तीन वर्ष की अवधि के लिए असाधारण अवैतनिक अवकाश स्वीकृत किया गया, जिसे पुन: 02 वर्ष के लिए दिनांक 24 अगस्त, 2016 तक विस्तारित किया गया। प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे द्वारा अपने पत्र दिनांक 06 अगस्त, 2016 के माध्यम से कुमायूं विश्वविद्यालय में तकनीकी त्यागपत्र दिये जाने से सूचित किया गया, जिसका समिति द्वारा अवलोकन किया गया। इस निर्णय के समय प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक से बाहर रहे।

14.21.03- विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों का ग्रेड-वेतन 6000/- के स्थान पर 7000/- स्वीकृत किये जाने के संबंध में विषय-विशेषज्ञों की गोपनीय सूची के अनुमोदन के संबंध में।

विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों का ग्रेड-वेतन 6000/- के स्थान पर 7000/- स्वीकृत किये जाने के संबंध में विषय-विशेषज्ञों की गोपनीय सूची पर परिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

14.21.04- शासन से वित्तीय वर्ष 2016-17 में शासन से प्राप्त अनुदान एवं व्यय के संबंध में।

विश्वविद्यालय को वित्तीय वर्ष 2016-17 में शासन से प्राप्त अनुदान तथा स्वयं की स्रोत की आय एवं व्यय के विवरण का परिषद द्वारा अवलोकन किया गया।

14.21.05- शासनादेश संख्या-07(एक)/XXVII(6)/2015 दिनांक 02 जनवरी, 2015 द्वारा वित्त सेवा संवर्ग के पदों के पुनर्गठन के संबंध में।

शासनादेश संख्या-07(एक)/XXVII(6)/2015 दिनांक 02 जनवरी, 2015 द्वारा वित्त सेवा संवर्ग के पदों के पुनर्गठन जिसमें विश्वविद्यालय के लिए रू० 15600- 39100 ग्रेड वेतन रू० 7600 मुख्य वित्त अधिकारी पदनाम निर्धारित है का परिषद द्वारा अवलोकन किया गया। इस निर्णय के समय आमंत्रित सदस्य श्रीमती आभा गर्खाल अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक से बाहर रहीं।

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

14.21.06- विश्वविद्यालय के वाहन चालकों को वर्ष में एक माह का अतिरिक्त वेतन अनुमन्य कराये जाने हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र के संबंध में।

विश्वविद्यालय के वाहन चालकों को वर्ष में एक माह का अतिरिक्त वेतन अनुमन्य कराये जाने संबंधी प्रस्ताव पर परिषद द्वारा विश्वविद्यालय की वित्त समिति में प्रकरण विचारार्थ प्रस्तुत किये जाने का निर्देश दिया गया।

कार्यसूची में सूचीबद्ध सभी प्रस्तावों पर विचार विमर्श एवं निर्णयों के उपरांत कार्य परिषद के सदस्य सचिव प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, कुलसचिव द्वारा सभी माननीय सदस्यों एवं विशेषकर बाह्य सदस्यों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी सदस्यों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अन्त में अध्यक्ष महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक सम्पन्न हुई।

22/9/16
(प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र)
कुलसचिव/सचिव कार्य परिषद
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

22/9/16
प्रो० नागेश्वर राव
कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी, जिला नैनीताल (उत्तराखण्ड)